हम जो करते हैं और जो करने में सक्षम हैं, उसके बीच का अंतर पर्याप्त है कि हम अधिकाँश समस्याओं का समाधान कर सकें.. - महात्मा गांधी

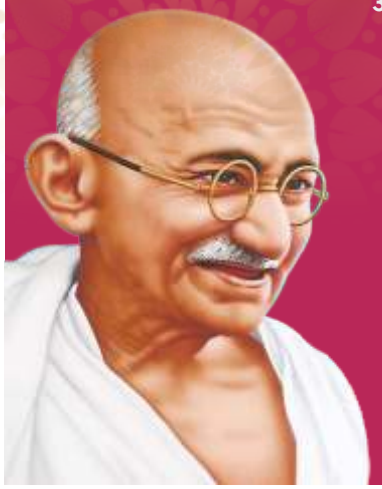

कनेक्ट

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

खंड 6 अंक 2 अप्रैल 2020 www.mgncre.org

बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के साथ 80 विश्वविद्यालय भारत में एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए हैं! एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने नई तालीम, ग्रामीण समुदाय कार्य की ओर बढ़ावा की है!

मानव संसाधन मंत्री ने संस्थान वार कार्य दल के लिए बुलावा दिया

छात्रों के लिए मनोवैज्ञानिक समर्थन की आवश्यकता है और यह उनके छात्रों के प्रति संस्थानों की जिम्मेदारी है ... माननीय मानव संसाधन मंत्री श्री रमेश पोखरियाल से आग्रह किया। भारत में कोरोना वायरस के प्रकोप के बीच, माननीय एच.आर.एम. ने अपने ट्विटर हैंडल से नागरिकों, विशेषकर छात्रों से अपील की कि वे सुरक्षित रहें और जागरूक रहें। 'प्रिय शिक्षकों और माता-पिता, जैसा कि आप जानते हैं कि कोरोना वायरस संक्रमण लगभग 60 देशों में फैल चुका है। भारत में कुछ मामले सामने आए हैं और कई प्रभावित लोग हैं,' उन्होंने एक वीडियो संदेश ट्वीट करते हुए कहा। "लॉकडाउन अवधि के दौरान छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को भी सभी संस्थानों द्वारा संबोधित किया जाना चाहिए और इस संबंध में एक हेल्पलाइन होनी चाहिए। प्रत्येक संस्थान द्वारा गठित एक कार्य दल होनी चाहिए जिसमें मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों को संभालने के लिए मनोवैज्ञानिक शामिल होना चाहिए।" उन्होंने जोड़ा।

पहले की शैक्षिक बैठक में, उन्होंने कहा था कि "चुनौतियां अवसरों में बदल जाती हैं यदि दृढ़ता के साथ सामना किया जाए"। उन्होंने देश के युवाओं से "बड़ा सपना" करने का आग्रह किया और इसे हासिल करने का साहस किया उन्होंने कहा, "अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद स्नातक करने वालों के लिए सभी तरह की चुनौतियां होंगी। उन्हें योद्धाओं की तरह काम करना चाहिए। सभी तरह की चुनौतियां होंगी लेकिन जब चुनौतियों का सामना करना पड़ता है तो वे अवसरों में बदल जाते हैं।" "ऐसे लोग हैं जिनके पास सपने हैं, लेकिन साहस की कमी है। हालांकि, उन लोगों के लिए जो कड़ी मेहनत करते हैं ... इस दुनिया में कोई भी शक्ति उन्हें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने से नहीं रोक सकती। कुछ भी हासिल करने के लिए दृढ़ता और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है," उन्होंने उस पर बल दिया।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम ने बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम को सभी राज्यों में लॉन्च किया। विशेष रूप से, अधिकांश विश्वविद्यालय / उ.शि.सं. आगामी शैक्षणिक वर्ष में पाठ्यक्रम शुरू करने के इच्छुक थे।

त्रिपुरा के उप मुख्यमंत्री श्री जिश्नु देव वर्मा ने ग्रामीण प्रबंधन में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के स्नातक पर पाठ्यक्रम प्रकाशित किया

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा द्वारा ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम में बी.बी.ए. प्रकाशित किया गया

शिक्षा मंत्री श्री हिमांता बिस्वा शर्मा ने बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम प्राकाशित किया

किसान उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) - छोटे किसानों को अपनी उपज का विपणन करने के लिए विभिन्न कृषि आदानों तक पहुँचने से लेकर अपनी चुनौतियों से सामूहिक रूप से निपटने के लिए एक मंच प्रदान करने तक

अपनी ग्रामीण प्रबंधन पहल के तहत, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पूरे देश में किसान उत्पादक संगठनों का अध्ययन किया। उत्पादक के रूप में किसान अपनी उपज के सही मूल्य का एहसास नहीं कर पा रहे हैं। उत्पादक संगठनों में उत्पादकों, विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों का एकत्रीकरण, कृषि की कई चुनौतियों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से निवेश, प्रौद्योगिकी और आदानों और बाजारों तक पहुंच में सुधार लाने के लिए सबसे प्रभावी मार्गों में से एक के रूप में उभर रहा है। एफ.पी.ओ. की दृष्टि एक समृद्ध और टिकाऊ सदस्य-स्वामित्व वाले निर्माता संगठन का निर्माण करना है जो किसानों को सामूहिक, कुशल, लागत प्रभावी और सतत संसाधन उपयोग के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने और सामूहिक रिटर्न के माध्यम से उच्च प्रतिफल, उत्पादन में वृद्धि का एहसास करने में सक्षम बनाता है।

- किसान उत्पादक संगठन ... काम पर ... बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम इनपुट के साथ पेशेवर होने के लिए।
- किसान उत्पादक संगठन .... बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम लेनदेन के हिस्से के रूप में इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के लिए उद्योग-अकादमिक बातचीत के साथ पेशेवर ग्रामीण उद्यम के लिए एक भविष्य की जगह।

संपादक की टिप्पणी

वित्तीय वर्ष 2019-20 एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा उत्पादकता के रूप में उपलब्धि की भावना पर समाप्त हुआ और देश के संकाय विकास कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और राउंडटेबल के लक्ष्यों को प्राप्त किया। नई तालीम, ग्रामीण समुदाय कार्य और पाठ्यक्रम विकास में रखी गई मजबूत नींव पर सवार, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद ने भविष्य के लिए परिषद को स्थान देने के लिए कई महत्वपूर्ण उपलब्धि सुनिश्चित की।

नई तालीम सप्ताह के आयोजन के लिए हमारा आह्वान-स्कूलों में काम पर आधारित सीखने का एक अभियान-गांधीजी की 150 वीं जयंती समारोह के संदर्भ में अच्छी तरह से प्राप्त किया गया था क्योंकि पूर्ववर्ती सप्ताह को देश के सभी स्कूल और उच्च शिक्षा संस्थानों में नई तालीम सप्ताह के रूप में मनाया गया था और 2 अक्टूबर को राष्ट्रीय नई तालीम दिवस के रूप में मनाया गया था। पिछले वर्ष, नई तालीम - गांधीजी की प्रायोगिक शिक्षण पहल प्रभावित हुई थी और आज हमें गर्व है कि नई तालीम को उनके पाठ्यक्रम में 40 से अधिक संस्थानों में अपनाया जा रहा है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. का यह योगदान सिद्धि की बड़ी ऊंचाइयों को मानता है। अब राष्ट्र को इसे आगे ले जाना है। गांधीजी ने शिक्षा के माध्यम से उस मार्ग पर जोर दिया, जहाँ छात्र काम सीखता है। शिक्षा की वर्धा योजना भी इसकी वकालत करती है। शिक्षा पर नई राष्ट्रीय नीति में अनुभवात्मक अधिगम को अनिवार्य बनाने के तत्व भी हैं।

अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता में एम.बी.ए. पर पाठ्यक्रम और ग्रामीण प्रबंधन में बी.बी.ए. और एम.बी.ए. प्रमुख शैक्षणिक उपलब्धियां थीं। अपनी तरह के पहले एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने 15 उच्च शिक्षा संस्थानों में स्वच्छ प्रौद्योगिकी और प्रबंधन ऊष्मायन परियोजना के प्रदर्शनों का सफलतापूर्वक आरंभ और संचालन किया हैं। भारत भर में अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता कार्यक्रम में एम.बी.ए. शुरू करना।

उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार के बारे में नहीं है बल्कि जीवन, ज्ञान, बुद्धिमत्ता, उच्च शिक्षा के बारे में है। इंटर्नशिप लोकप्रिय हो रहे हैं। हम इसका स्वागत करते हैं या नहीं, भारत अभी से 70 वर्ष बाद भी 30% ग्रामीण होगा। इसलिए, फोकस ग्रामीण प्रबंधन पर होना चाहिए। उच्च शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण चिंताओं को दूर करने की आवश्यकता है। चैंपियन वे लोग हैं जो बहुत त्याग करते हैं। हमें बदलाव का कारण बनना होगा। वास्तव में दिलचस्पी को भीतर से उत्पन्न करने की आवश्यकता है। यदि हम वास्तव में दिलचस्पी रखते हैं, तो हम एक साथ अद्भुत चीजें कर सकते हैं। नाजुक या मुश्किल हालात मायने नहीं रखते। जिन गतिविधियों में हम शामिल हैं उनमें से एक पाठ्यक्रम में हस्तक्षेप है। इसलिए कम्युनिटी एंगेजमेंट पर पाठ्यक्रम से लैस फैकल्टी गांवों और राष्ट्रीय विकास में अद्भुत काम कर सकते हैं। गांवों में पानी के बारे में सबकुछ है और सुरक्षित पेयजल गांवों में मौजूद प्रमुख चुनौतियों में से एक है। हमें मार्ग जानने की आवश्यकता है। विभिन्न चरणों में बुनियादी ढाँचा, मानव विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण, सामाजिक विकास, आर्थिक विकास और पारिस्थितिकी शामिल हैं। कनेक्ट करना शासन है। हमें गांवों के सरोकारों को जानने, पहचानने, आकलन करने की जरूरत है, सरकारी अधिकारियों के साथ उनकी चिंताओं को दर्ज करें। बस गाँवों में काम करना और तार्किक निष्कर्ष के बिना वापस आना अनकहा है।

डॉ. डल्यू. जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.

समावेशी विकास के लिए बाधाओं से ऊपर उठने और ग्रामीण संसाधनों का एक प्रभावी प्रबंधन बनाने की तत्काल आवश्यकता है। सामुदायिक जुड़ाव के सीखने के तरीकों का लाभ बाद में कई गुना हो जाता है क्योंकि उनके छात्र भागीदारी अभ्यास सीखते हैं, जीवन कौशल सीखते हैं, और क्षेत्र की बातचीत से लाभ उठाते हैं। रूरल एंगेजमेंट एक सहभागी दृष्टिकोण है जो खुले अंत क्षेत्र की पूछताछ पर आधारित है और कार्रवाई उन्मुख है। यह व्यावहारिक और अनुभवात्मक है। इन कार्यशालाओं से ग्रामीण वास्तविकताओं की खोज और सीखने में मदद मिलेगी। मैं नए वित्त वर्ष 2020-21 के लिए नए उत्साह के साथ तत्पर हूं।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

समीक्षा में वर्ष 2019-20

- एम.जी.एन.सी.आर.ई. एफ.डी.पी., कार्यशालाएं और राउंड टेबल के अपने पिछले एजेंडे को जारी रखता है। हम सभी राज्यों में धीरे-धीरे और लगातार नई तालीम और सामुदायिक व्यस्तता को बढ़ा रहे हैं।
- मार्च में तेलंगाना भर में नई तालीम पर 109 कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। मुख्य परिणाम में गांधीजी की नई तालीम शैक्षिक दर्शन की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा और प्रस्तुत करना था; आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रकृतिवाद और व्यावहारिकता के साथ नई तालीम की तुलना और इसके विपरीत और प्रस्तुतिकरण; नई तालीम के घटकों की पहचान करना जो एन.सी.एफ. 2005 और आर.टी.ई. 2009 से संबंधित हैं; 21 वीं सदी में नई तालीम की प्रासंगिकता का विश्लेषण; शिक्षक और स्कूल शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए नई तालीम को जोड़ना और अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियों की योजना बनाना; अनुभवात्मक अधिगम गतिविधि की मैपिंग विभिन्न विषयों और लर्निंग (हेड / हार्ट / हैंड) के तीन डोमेन के लिए होती है।

उस्मानिया विश्वविद्यालय में नई तालीम वर्कशोप का संचालन करते हुए अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.

नई तालीम वर्कशॉप की झलक

- एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा विकसित अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता पर ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित एम.बी.ए. कार्यक्रम के साथ कई संस्थान आगे बढ़ रहे हैं।
- हमने आगामी शैक्षणिक वर्ष से बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम के लेनदेन के संबंध में 80 विश्वविद्यालयों / उ.शि.सं. के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।
- हमने अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में अवसरों पर उद्योग-अकादमिक मीट का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। उद्योग- विश्वविद्यालयों / उ.शि.सं. में अकादमिक मीट और प्रदर्शनियाँ ज्ञान साझा करने, उद्योग संपर्क, इंटर्नशिप और परियोजनाएं, उत्पाद प्रदर्शन, नए उत्पाद लॉन्च, सामाजिक उद्यमिता के लिए गुंजाइश, प्लेसमेंट और निर्णय निर्माताओं, नीति निर्माताओं से बातचीत और प्रमुख और उद्योग विशेषज्ञ से मिलने के लिए एक मंच के बारे में हैं। इंडस्ट्री-एकेडमीया मीट ने अपने अपशिष्ट प्रबंधन की पहल दिखाने के लिए उद्योग और उपयोगिता के लिए एक मंच प्रदान किया और अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता में एम.बी.ए. के छात्रों के लिए कैरियर के अवसरों की जानकारी भी प्रदान की। मीट ने शिक्षाविदों और अपशिष्ट प्रबंधन पेशेवरों के लिए एक नेटवर्किंग अवसर प्रस्तुत किया।

माननीय एच.आर.एम. श्री रामेश पोखरियाल के साथ एम.जी.एन.सी.आर.ई. के एजेंडा पर चर्चा करना

माननीय जल शक्ति मंत्री, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जल शक्ति कैम्पस और जल शक्ति ग्राम नियमावली को 15 भाषाओं में प्रकाशित करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों की सराहना की

- इस वर्ष महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती ग्रामीण समुदाय को प्रभावित करने का एक उपयुक्त अवसर था। नगालैंड से लेकर कश्मीर घाटी तक केरल में अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रमों का संचालन करके इसका बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया है। देश भर के विश्वविद्यालयों / उ.शि.सं. के साथ व्यापक रूप से बातचीत करके एम.जी.एन.सी.आर.ई. के कर्मियों द्वारा निस्संदेह कठिन कार्यों का प्रशिक्षण, सेवानिवृत्त और युवाओं को सलाह देना।
- 11 अप्रैल को कस्तूरबा गांधी की 150 वीं जयंती मनाई गई। गांधी जी ने सत्य और अहिंसा के अपने मूल सिद्धांतों को कस्तूरबा गांधी से सत्याग्रह के साथ सीखा। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने इस दिन को मनाने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया, क्योंकि नई तालीम पहल दिवस और कई शैक्षणिक संस्थानों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- 2 अक्टूबर को महत्वपूर्ण अवसर पर, माननीय राज्यपालों, माननीय मुख्यमंत्रियों, संबंधित राज्यों के प्रशासनिक प्रमुखों और संघ शासित प्रदेशों और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों द्वारा भारत के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जल शक्ति परिसर और जल शक्ति ग्राम और स्वच्छ परिसर नियमावली का शुभारंभ किया गया। हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण विषय यह प्रक्षेपण स्वच्छता, स्वच्छता और जल संरक्षण में उच्च शिक्षा संस्थानों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एक कदम है जो विकास के लिए राष्ट्रीय आवश्यकताएं हैं।
- मंत्रालय को उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और पॉलिटेक्निक सहित उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा उपयोग में लाए जाने के निर्देश दिए गए हैं, जो परिसरों और उन गांवों में जल संरक्षण के लिए कार्यनीतियों, कार्य योजनाओं और कार्यान्वयन योजनाओं को विकसित कर रहे हैं, जैसेकि राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.), स्वच्छ कार्य योजना (एस.ए.पी.) और उन्नत भारत अभियान (यू.बी.ए.), जिनके साथ परिसर लगे हुए हैं।

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी 12 अगस्त को आई.आई.टी. दिल्ली 10 -12 अगस्त आई.आई.टी. दिल्ली में

जल शक्ति कैम्पस और जल शक्ति ग्राम - उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक जल संरक्षण कार्रवाई और कार्यान्वयन योजना - माननीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी द्वारा जारी की गई। मैनुअल का उद्देश्य विकासशील रणनीतियों, कार्य योजनाओं में विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और पॉलिटेक्निक सहित उच्च शिक्षा संस्थानों की मदद करना है। परिसरों पर और जिन गाँवों में परिसर लगे हुए हैं, वहाँ जल संरक्षण के लिए कार्यान्वयन योजनाएँ। मैनुअल जल प्रबंधन उपायों पर मार्गदर्शन करने का तरीका है जिसमें जल बजट, जल पैमाइश, जल लेखा परीक्षा, पानी की मांग का अध्ययन, पानी के नुकसान में कमी और एक परिसर में पानी की मांग और आपूर्ति के प्रबंधन जैसे कई उपाय शामिल हैं। उच्च शिक्षा संस्थान राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.), स्वच्छ कार्य योजना (एस.ए.पी.) और उन्नत भारत अभियान (यू.बी.ए.) में लगे हुए हैं।

जल और स्वच्छता मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया जल शक्ति अभियान, जल संरक्षण और पूरे भारत में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने पर केंद्रित है। खुशी की बात है कि हम इस पहल में सरकार के साथ समान रूप से काम कर रहे हैं। जल-शक्ति अभियान के अनुसरण में, 1-15 सितंबर को स्वच्छ पखवाड़ा सप्ताह के लिए, हमारे जल शक्ति अभियान और जल शक्ति ग्राम नियमावली का निर्धारण किया गया है, जो अब मंत्रालय के वेबपेज पर लिंक -https://mhrd.gov.in/manual-jal-shakti-campus-and-jal-shakti-gram पर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों के सभी प्रमुख को उपयुक्त कार्रवाई के लिए मैनुअल अपनाने के लिए अनुरोध किया गया है। एक महत्वपुर्ण उपलब्धि यह है कि मंत्रालय के निर्देशानुसार लगभग 45,000 उच्च शिक्षा संस्थान इन पुस्तिकाओं का उपयोग करेंगे।

- एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने ग्रामीण सामुदायिक जुड़ाव और नई तालीम - प्रायोगिक ज्ञान सहित ग्रामीण लचीलापन बनाने में महत्वपूर्ण काम किया है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम ने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूलों और बी.एड कॉलेजों का दौरा किया और हमारे आउटरीच और कनेक्ट वित एक्सपेरिएनल लर्निंग के हिस्से के रूप में देश के केंद्रशासित प्रदेशों में प्रवेश किया। नई तालीम सप्ताह आयोजित करने का हमारा आह्वान - स्कूलों में काम पर आधारित सीखने का एक अभियान - गांधीजी की 150 वीं जयंती समारोह के संदर्भ में अच्छी तरह से प्राप्त किया गया था क्योंकि पूर्ववर्ती सप्ताह को नई तालीम सप्ताह के रूप में देश में कई स्कूल और उच्च शिक्षा संस्थानों में मनाया गया था और 2 अक्टूबर को राष्ट्रीय नई तालीम दिवस के रूप में मनाया गया था।

- एम.जी.एन.सी.आर.ई. के ई-लर्निंग सेंटर ने कॉन्फ्रेंसिंग और प्रशिक्षण सुविधाओं के लिए बुनियादी ढाँचा विकसित किया है जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम, कौशल निर्माण सत्र और कला स्टूडियो की स्थिति और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण, एल.सी.डी. प्रोजेक्टर, सार्वजनिक पता प्रणाली, श्वेत बोर्ड, फ्लिप चार्ट, फोटोकॉपी सुविधाएं, लैपटॉप और अन्य आवश्यक उपकरण शामिल हैं। हम पूरे देश को जोड़ने वाले वीडियो के लिए इस सुविधा का उपयोग करने और ग्रामीण सामुदायिक सहभागिता और विकास के लिए ऑनलाइन शैक्षिक संसाधनों को साझा करने का इरादा रखते हैं।

- एम.जी.एन.सी.आर.ई. यू.बी.ए. के लिए तेलंगाना राज्य में तीन आर.सी.आई. में से एक 40 राष्ट्र व्यापी आर.सी.आई. में से एक है।

- अपशिष्ट प्रबंधन विशेषज्ञों का एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया - एम.जी.एन.सी.आर.ई. में अत्याधुनिक ई-रिसोर्स सेंटर ने औपचारिक रूप से कार्य करना शुरू कर दिया - परिषद के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि। देश भर के उद्योग और विषय विशेषज्ञों ने आकर्षक दृश्यों के साथ अपने व्याख्यान और प्रस्तुतियाँ दर्ज कीं। मामले के अध्ययन और साइट के दृश्य पर प्रासंगिक ये व्याख्यान अपशिष्ट प्रबंधन अध्ययन के छात्रों के लिए संदर्भ संसाधन होंगे।

- ग्रामीण कार्य पर तीन 2-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए - भागीदारी और शिक्षा के साथ ग्रामीण कार्य; ग्रामीण तल्लीनता प्रबंधन; और ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा। इन सम्मेलनों का उद्देश्य बहुत अधिक आवेग और कद जोड़ना है और विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा ग्रामीण सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में चुनौतियों का समाधान करने के लिए ज्ञान का अभ्यास करने के लिए एक निकाय का निर्माण करना है। हम भाग लेने वाले संस्थानों को अपने विभिन्न संकाय विकास कार्यक्रमों में इन पहलुओं को शामिल करने के लिए संसाधन सामग्री, संसाधन व्यक्तियों और लॉजिस्टिक समर्थन के साथ समर्थन करना चाहते हैं।

- इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आनंद (IRMA) से प्रशिक्षुओं के साथ एक इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जहां प्रशिक्षुओं ने कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अंजाम दिया, प्रख्यात शिक्षाविदों के साथ राउंडटेबल का संचालन किया, ग्रामीण प्रबंधन पर रीयलटाइम पाठ्यक्रम पर काम करना और ग्रामीण तल्लीनता कार्यक्रमों में भाग लेना महत्वपूर्ण रहा। ग्रामीण कार्य पर सम्मेलनों के लिए योगदान। टी.आई.एस.एस., तुलजापुर, कुमाऊं विश्वविद्यालय, के.एस.आर.डी.पी.आर.यू. कर्नाटक, के.एस.आर.एम. भुवनेश्वर और कल्याणी विश्वविद्यालय से कुल 120 प्रशिक्षुओं ने विलेज विजिट रिपोर्ट, माइनर रिसर्च रिपोर्ट, एक्शन रिसर्च रिपोर्ट, केस स्टडी और केसलेट प्रस्तुत करने के लिए हमारे साथ काम किया है।

- स्वच्छता कार्य योजना (एस.ए.पी.) के तहत, परिषद ने 100 स्वच्छता के साथ उच्च शिक्षा संस्थानों को स्थान दिया और प्रति संस्थान दो गांवों का दौरा किया (कुल 200 गाँव)। संस्थानों के कार्य आउटपुट को केस स्टडी और वीडियो केस स्टडी के रूप में प्रलेखित किया गया है जो गांवों के सामाजिक-आर्थिक पहलुओं के संबंध में गांवों के क्रॉस सेक्शन को समझने में मदद करेगा।

- ऑनलाइन एस.ए.पी. पोर्टल एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा विकसित किया गया था और गाँव के दौरे को सुविधाजनक बनाने के लिए एक ऐप लॉन्च किया गया था।

- एम.जी.एन.सी.आर.ई. की टोपी में एक और पंख जोड़ा गया है क्योंकि हमने लेह, लद्दाख में नई तालीम पर एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम चलाया।

- वर्कशॉप, राउंड टेबल और फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम्स के साथ-साथ एम.जी.एन.सी.आर.ई. रचनात्मक पक्ष भी तलाशती है। "लिटिल गान्धी" एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा बनाई गई एक लघु फिल्म अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव 2019 के लिए प्रस्तुत की गई थी। इस फिल्म ने एक स्कूल की नई तालीम गतिविधियों की विशद रूप से पड़ताल की।

2019-20 में उपलब्धियों का सारांश

मानव संसाधन विकास मंत्रालय	
राउंडटेबल	30
कार्यशालाएं	30
संकाय विकास कार्यक्रम	30
पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी.	
राउंडटेबल	60
कार्यशालाएं	80
संकाय विकास कार्यक्रम	40
स्वच्छता एक्शन प्लान	
राउंडटेबल	5
कार्यशालाएं	8
संकाय विकास कार्यक्रम	6
उद्योग-अकादमिक मीट और प्रदर्शनी	15
उ.शि.सं. का दौरा	111
गाँव का दौरा	200

यूनिसेफ (एस.एफ.डी.आर.आर. और वॉश स्वयंसेवी) (तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक)	
राउंडटेबल	2
कार्यशालाएं	17
पाठ्यक्रम / संकाय विकास कार्यक्रम	4
ग्रामीण तल्लीनता प्रशिक्षण कार्यक्रम	45
रिसर्च और स्कॉलरशिप	
इंटर्न्स	120
माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट्स	90
एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट्स	35
केस स्टडी	200
अनुसंधान प्रकाशन	40
एम.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन मामले	41
एम.बी.ए. अपशिष्ट प्रबंधन मामले	10
ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क 3 पर राष्ट्रीय परामर्श	3
बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम के लिए समझौता ज्ञापन	80

- एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने 2 अक्टूबर को गचीबौली हैदराबाद में अपने स्वयं के परिसर के निर्माण की नींव रखी। श्री वी.एल.वी.एस.एस. सुब्बाराव, अपर सचिव, एम.एच.आर.डी. और हैदराबाद विश्वविद्यालय के उप-कुलपति प्रो.पी.अप्पा राव ने इस अवसर पर विचार रखे। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने भी केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सी.पी.डब्ल्यु.डी.) हैदराबाद के साथ निर्माण के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। काउंसिल अपने अत्याधुनिक ऑफिस हाउसिंग आधुनिक सुविधाओं और फैकल्टीज के लिए रिहायशी सुइट्स सहित सुविधाओं से काम शुरू करने जा रही है।

कई कार्यक्रमों का सचित्र अवलोकन

कई कार्यक्रमों का सचित्र अवलोकन

गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत ने माननीय शिक्षा मंत्री, श्री भूपेंद्रसिंह चुडास्मा की उपस्थिति में महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर गुजरात में मैनुअल लॉन्च किया; श्रीमती अंजू शर्मा, शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव और श्री एल.पी.पाडलिया, उच्च शिक्षा के आयुक्त। डॉ. डब्ल्यू.जी.प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. यहाँ मैनुअल की शुरूआत की देखरेख कर रहे हैं।

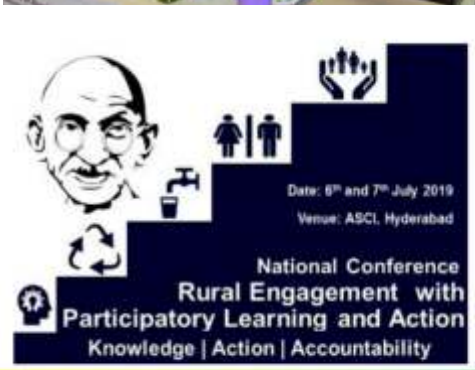

"यदि आप उड़ नहीं सकते हैं, तो दौड़ें, यदि आप दौड़ नहीं सकते है, तो चलें, यदि आप चल नहीं सकते हैं, तो रेंगें, लेकिन आपको जो भी करना है, से आगे बढ़ाते रहना होगा।"
- मार्टिन लूथर किंग जूनियर

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
5-10-174, शक्कर भवन, ग्राउंड फ्लोर, फ़तेह मैदान रोड, हैदराबाद-500 004, तेलंगाना.
दूरभाष: 040-23422112, 23212120, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: editor@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org
संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू.जी.प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी
श्री पी.मुरली मनोहर, सदस्य-सचिव, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित